प्रेस विज्ञप्ति

इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा आई.सी.एम.ए.आई. के पूर्वी भारत क्षेत्रीय छात्र सम्मेलन 'ज्ञान्नोथान 2026' में सी.एम.ए. को प्रेरित किया



भुवनेश्वर, 10 मई 2026

श्री प्रदीप कुमार दास, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड, ने आज भुवनेश्वर में आयोजित पूर्वी भारतीय क्षेत्रीय छात्र सम्मेलन – 'ज्ञान्नोथान 2026' में अध्यक्षीय भाषण दिया, जो इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स (ICMAI) द्वारा आयोजित की गई थी, एवं इसमें पूर्वी क्षेत्र के कोस्ट और मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स (CMAs) को संबोधित किया गया।.

भारत की 12 वर्षों की नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) यात्रा पर विचार करते हुए, श्री दास ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत की स्थापित आरई क्षमता 11% के सीएजीआर से बढ़ी है - वित्त वर्ष 14 में 76 गीगावाट से वित्त वर्ष 26 में 275 गीगावाट तक, अकेले वित्त वर्ष 26 में 54.59 गीगावाट की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ - भारत को 3 विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा आरई बाजार के रूप में स्थापित किया गया है। जिसमें 2030 के लक्ष्य से पांच वर्ष पूर्व ही 50% गैर-जीवाश्म क्षमता हासिल कर लिया गया है। इरेडा की अपनी छह वर्षों की वृद्धि के साथ समानता बनाते हुए। उन्होंने कहा कि इरेडा की ऋण पुस्तिका 27% के सीएजीआर से बढ़ी है - वित्त वर्ष 21 में 27,850 करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 26 में 93,051 करोड़ रुपये तक - लगभग भारत की आरई क्षमता सीएजीआर 14% की समान अवधि में दोगुनी। उन्होंने इसका श्रेय इरेडा की नवाचार की संस्कृति को दिया, जिसमें उधारकर्ताओं के लिए टर्नअराउंड समय को कम करके बायो ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन आदि जैसे उभरते क्षेत्रों में फर्स्ट-मूवर फाइनेंसिंग शामिल है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस संस्कृति ने कार्बन उत्सर्जन को कम करके और अप्रत्यक्ष रूप से कई पेशेवरों और अनौपचारिक श्रम को रोजगार देकर समाज के लिए मूल्य निर्माण करके पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाला है।

दृढ़ता का एक शक्तिशाली पाठ साझा करते हुए, श्री दास ने बताया कि कैसे इरेडा का आई पी ओ अपनी तीसरी कोशिश में नवंबर 2023 में सफल हुआ — इसे 38.8 गुना अधिक सब्सक्राइब किया गया — और यह नवम्बर 2023 से नवम्बर 2024 की अवधि के लिए भारत में दुसरे सबसे बड़ा मूल्य सृजनकर्ता बन गया, और यह उस सूची में शामिल होने वाला एकमात्र पी एस यू था जिसे द इकनॉमिक टाइम्स द्वारा मान्यता दी गई। यह प्रमाणित करते हुए कि सफलता को परिभाषित करने वाली असफलता नहीं बल्कि पुनः उठने का साहस है। इस संदेश को छात्रों तक पहुँचाते हुए, उन्होंने उन्हें अंक, डिग्री और प्लेसमेंट से परे देखने और अपने आप से यह पूछने के लिए प्रेरित किया कि वे कौन सी समस्या हल कर सकते हैं, कौन सा मूल्य सृजित कर सकते हैं, और कौन सी विरासत छोड़ सकते हैं — क्योंकि जीवन संयोग से नहीं बल्कि परिवर्तन से बेहतर होता है। उन्होंने संकाय को याद दिलाया कि वे केवल शिक्षक नहीं हैं बल्कि राष्ट्र निर्माता हैं, जिनकी सच्ची भूमिका सोच को प्रेरित करना, चरित्र का निर्माण करना और मूल्यों को स्थापित करना है — क्योंकि एक प्रेरित छात्र में पीढ़ियों को बदलने की शक्ति होती है।



सभा को प्रेरित करते हुए, श्री दास ने इस बात पर जोर दिया की दुनिया अभूतपूर्व गति से बदल रही है और युवाओं की भूमिका केवल निर्माण में नहीं बल्कि एक नए राष्ट्र और समाज को आकार देने में महत्वपूर्ण हो सकती है। उन्होंने प्रत्येक सी एम ए पेशेवर से यह उदाहरण प्रस्तुत करने का आह्वान किया। यह साझा करते हुए कि योग एवं ध्यान इरेडियन की दैनिक अनुशासन का अहम हिस्सा हैं। जो विचार की स्पष्टता और स्थायी उत्कृष्टता को संभव बनाते हैं। “ज्ञान्नोथान” — ज्ञान को बुद्धिमत्ता में ऊँचा उठाने — की भावना पर चिंतन करते हुए, उन्होंने अपने '3सी मंत्र' के साथ निष्कर्ष निकाला: स्पष्टता, प्रतिबद्धता, और विश्वास, जो उन तीन स्तंभों के रूप में हैं जो व्यक्तियों और संस्थाओं दोनों के लिए सतत विकास को सक्षम बना सकते हैं।